पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित: 16.05.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परि
41 वें स्थापना दिवस
संगीत संध्या
सोमवार, 3 जून 2019
साय 5 से 7 तक
आर्य सम ,दिल्ली
प्रीति रात्रि 7.30 बजे
आप सपरिवार आमन्त्रित हैं

वर्ष-35 अंक-24 ज्येष्ठ-2076 दयानन्दाब्द 196 16 मई से 31 मई 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.05.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली की

विशाल "युवा चरित्र निर्माण शिविरों" हेतु अपील व निमन्त्रण

सादर नमस्ते। गत् वर्षों की भांति इस वर्ष भी आपकी प्रिय संस्था केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें महर्षि दयानन्द जी की विचारधारा से ओतप्रोत करने के लिए शनिवार 8 जून 2019 से रविवार 16 जून 2019 तक **"युवक व्यक्तित्व विकास व चरित्र निर्माण शिविर"** का रचनात्मक आयोजन **ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सेक्टर-44, नोएडा** में कर रही है। जिसका **उद्घाटन समारोह शनिवार 8 जून** को सायं 5.00 से 7.00 बजे तक होगा तथा **शिविर समापन समारोह रविवार 16 जून 2019** को प्रात: 11.00 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक सम्पन्न होगा

इसके साथ ही **"विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर" रविवार 19 मई से रविवार 26 मई 2019** तक **गीता भारती स्कूल**, अशोक विहार फेज-2, दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है। जिसका **उद्घाटन रविवार, 19 मई को सायं 5:00 बजे** व **समापन समारोह रविवार 26 मई, 2019 को सायं 5.00 बजे से 7.30 बजे** तक होगा।

इन शिविरों के माध्यम से ही सुलझे हुए व ठोस कार्यकर्ता आर्य समाजों को मिलते हैं। हमारी हार्दिक इच्छा है कि आप अपने व अपनी आर्य समाज के युवक/युवतियों को शिविर में अवश्य ही भेजें।

अत: आप से अनुरोध है कि कृपया उपरोक्त शिविरों के उद्घाटन व समापन के कार्यक्रमों में अपने इष्ट मित्रों व परिवार सहित स्पेशल बसों या मैटाडोर द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर आर्य युवकों का उत्साहवर्धन करें। समारोह के पश्चात **ऋषि लंगर** की सुन्दर व्यवस्था रहेगी।

आप जानते ही हैं कि इन विशाल आयोजनों में आर्य युवाओं के दस दिन तक तीन समय के प्रात: राश तथा भोजन प्रबन्ध पर हजारों रुपये व्यय होगा। यह सब आपके प्रेम व सहयोग से ही पूरा होना है। अत: आपसे अनुरोध है कि राष्ट्र निर्माण के इस यज्ञ को सफल बनाने के लिए आप अपनी ओर से व्यक्तिगत, अपनी आर्य समाज या संस्था की ओर से अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग करवाने की कृपा करें।

समस्त क्रास चैक, ड्राफ्ट, मनीआर्डर **"केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली"** के नाम से मुख्य कार्यालय - **आर्य समाज कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली**-110007 के पते पर भिजवाने की कृपा करें। आप अपना सहयोग **खाता सं. 10205148690** एस. बी.आई. घंटाघर, दिल्ली-110007, आई.एफ.एस.सी. कोड SBIN0001280 में सीधे जमा करवा सकते हैं।

आप "ऋषि लंगर" के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, दलिया, सब्जी, पाउडर दूध, शुद्ध घी, रिफाइन्ड के रूप में खाद्य सामग्री भिजवा कर भी सहयोग कर सकते हैं। हमें पूरा विश्वास है कि आप अपनी ओर से तथा अपने इष्ट मित्रों से भी अधिक से अधिक सहायता राशि भिजवाने की कृपा करेंगे। आपके पूर्ण सहयोग की कामना के साथ

अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष,

सम्पर्क: 9810117464, 9868051444, फोन: 011-42133624

जहां नहीं होता कभी विश्राम आर्य युवक परिषद है उसका नाम

16वीं पुण्य तिथि पर विशेष

मूर्धन्य आर्य संन्यासी स्वामी दीक्षानन्द जी सरस्वती

—डॉ. सुन्दरलाल कथूरिया

आर्यजगत् के प्रतिष्ठित संन्यासी, प्रकाण्ड वैदिक विद्वान्, मौलिक चिन्तक, प्रभविष्णु, प्रवचनकर्ता, यशस्वी लेखक स्तरीय वैदिक ग्रंथों के प्रकाशक, तत्त्ववेत्ता, योग शिरोमणि आदित्य ब्रह्मचारी सर्वस्व त्यागी, आदर्श आचार्य, महर्षि दयानन्द के समर्पित सेनानी वैदिक सिद्धांतों के निष्ठावान प्रचारक स्वतन्त्रता सेनानी, राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रबल समर्थक, गौरक्षा आन्दोलन के पुरोधा, अध्यात्मचेता, देश-विदेश में आर्ष विचारधारा, वैदिक दर्शन एवं मानव-मूल्यों के प्रचारक-प्रसारक स्वामी दीक्षानन्द जी बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। समस्त प्रकार की ऐषणाओं से मुक्त, मुक्ति मार्ग के पथिक स्वामी दीक्षानन्द जी का आर्य समाज के मिशन को आगे बढ़ाने में अत्यधिक महत्वपूर्ण योगदान है। वे आर्यजगत् के उन कुछ विरल संन्यासियों में से एक थे, जो वेद-विद्या पारंगत थे, जिनकी कथनी-करनी एक थी तथा जिनका समस्त जीवन 'मनुर्भव' का दिव्य संदेश देने के लिए समर्पित था। लोकोपकार की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी और वे सच्चे अर्थों में संन्यासी थे।

स्वामी दीक्षानन्द जी का जन्म 10 जून 1918 ई. को मध्यवर्गीय कायस्थ परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम कृष्ण स्वरूप था। प्रारंभिक शिक्षा के उपरानत उन्होंने उपदेशक विद्यालय लाहौर एवं गुरुकुल भटिण्डा में एकाग्रचित होकर अध्ययन किया। बचपन से ही शिक्षण एवं अध्यात्मक के प्रचार में उनकी रूचि थी। अध्ययन-कालमें उनके प्रमुख गुरु यूँ बुद्धदेव विद्यालंकार थे, जो बाद में स्वामी समर्पणानन्द के नाम से विख्यात हुए। इनके प्रति स्वामी दीक्षानन्द जी के मन में अत्यन्त समादर एवं श्रद्धा का भाव अन्त तक बना रहा। अपनी शिक्षा सम्पन्न हो जाने के उपरान्त कृष्ण स्वरूप जी ने उपदेशक विद्यालय भटिण्डा की स्थापना की, जहाँ वे आचार्य कृष्ण के नाम से जाने जाते थे। संन्यासाश्रम में प्रविष्ट होने के पूर्व तक वे इसी नाम से ख्यात रहे। गुरुकुल प्रभात आश्रम, टिकरी, मेरठ में सन् 1948 से सन् 1956 तक उन्होंने आचार्य पद को सुशोभित किया। आचार्य कृष्ण ने सन् 1975 में आर्य समाज के शताब्दी समारोह में स्वामी सत्यप्रकाश जी से संन्यास की दीक्षा ली और वे स्वामी दीक्षानन्द के नाम से सुख्यात हो गए।

वैदिक विषयों में शोध के प्रति स्वामी दीक्षानन्द जी को गहरी रूचि थी, अत: सन् 1978 ई. में अपने श्रद्धेय गुरु स्वामी समर्पणा नन्द जी की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए उनके नाम पर 'समर्पण शोध संस्थान की स्थापना की। इस संस्थान के माध्यम से उन्होंने न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए शोधार्थियों को प्रेरित किया, वरन् वैदिक साहित्य से जुड़े बहुत से स्तरीय ग्रंथों का प्रकाशन भी किया।

स्वामी दीक्षानन्द जी वाग्गी वक्ता ही नहीं, सिद्धान्त लेखक भी थे। वे सच्चे अर्थों में तपस्वी थे। उनके ग्रंथों में उनके चिन्तन की दीप्ति और विश्लेषण-क्षमता के दर्शन होते हैं। यों तो उनके ग्रंथों की संख्या बहुत बड़ी है पर उनके कुछ प्रमुख ग्रंथ है-मृत्युंजय सर्वस्व, अग्निहोत्र सर्वस्व, अपनयन सर्वस्व, ओंकार सर्वस्व, उपहार सर्वस्व, स्वाध्याय सर्वस्व, नाम सर्वस्व, दो पुंटन के बीच, सत्यार्थ कल्पतरू, ए लविंग टोकन, वैदिक कर्मकाण्ड पद्धति, वाल्मीकि के पुरुषोत्तम राम, गुरुकुल शतकम्, सम्राट, शतकम आदि। उनका प्रचुर लेखन उनकी विद्वत्ता, स्वाध्यायी प्रवृत्ति, श्रम-साधना, गुरु-गंभीर विवेचन-विश्लेषण विषय की अतल गहराइयों में पैठ एवं मौलिक चिन्तन का साक्षी है। उनका तल स्पर्शी लेखन समाधिस्थ अवस्था में लिखा गया लगता है और इससे आर्ष साहित्य की निश्चय ही श्रोवृद्धि हुई है। यद्यपि उनका समग्रलेखन तर्क-प्रमाण-पुरस्कार और वैज्ञानिक दृष्टि से ओतप्रोत है, तथापित उसे हृदयंगन करने में कोई कठिनाई नहीं होती। उनका लेखन पाठकों के लिए प्रेरक और दीक्षा-निर्देशक है। उनके शास्त्रानुमोदित मन्तव्यों-उपदेशों पर आचरण कर कोई भी पालक या साधक प्रेम से श्रेय एवं अन्नमय कोश से आनन्दमय कोश की ओर प्रस्थान कर सकता है।

स्वामी दीक्षानन्द जी ने बहुत से ग्रंथों का सम्पादन-प्रकाशन कर माँ-भारती के भण्डार को भरा तथा जन-जन तक वैदिक मान्यताओं को पहुँचाने का भरसक प्रयास किया। 'समर्पण शोध संस्थान' से उनके द्वारा प्रकाशित कुछ ग्रंथों के नाम हैं-वैदिक उपदेश माला, पाणिनीय प्रवेशिका, ऋग्वेद मण्डल-मणि-सूत्र, यजुर्वेद-अथर्वेवद-भाष्यम्, वेदिक नारी, आर्ष-ज्योति, ऋग्वेद-ज्योति, सामवेद-भाष्यम, समाज का कायाकल्प, श्रुति सौरभ वेदों का यथार्थ स्वरूप वैदिक दर्शन वैदिक स्वर्ग, अनादि तत्त्व, योगेश्वर कृष्ण Glimpses of Dayanand works of Pt. Guru Datta, Vision of Truth, Anthology of Vedic Hymns आदि। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन ग्रंथों के स्वाध्याय से कोई भी व्यक्ति आर्ष सिद्धांतों से परिचय प्राप्त कर विद्वान और ज्ञानी बन सकता है तथा इन पर आचरण कर आत्मोत्कर्ष को प्राप्त कर सकता है। आचरणविहीन कोरा ज्ञान तो किसी काम का नहीं। ऐसे विद्वान को तो वेद भी पवित्र नहीं कर सकते-आचारहीनम् न पुनन्ति वेदा:।

स्वामी दीक्षानन्द जी तलस्पर्शी वैदिक विद्वान एवं तत्त्वदर्शी ऋषि थे। आर्य समाज एवं आर्ष सिद्धांतों के प्रति वे सर्वात्मना समर्पित थे। सत्य सनातन वैदिक सिद्धांतों को वे जन-जन तक पहुँचाना चाहते थे। वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार की उनमें ललक थी। 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम' के स्वप्न को वे साकार करना चाहते थे अत: देश-विदेश में उन्होंने प्राण-पण से वैदिक दर्शन आर्य समाज की मान्यताओं एवं मानव-मूल्यों का प्रचार-प्रसार किया। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने मॉरिशस, दक्षिण, अफ्रीका, डरबन, नैरोबी, केन्या, पूर्वी अफ्रीका आदि देशों में वेद-प्रचार का महत्वपूर्ण कार्य किया। अपने ज्ञानवर्द्धक, शास्त्र-सम्मत, वेदानुकूल, प्रभावपूर्ण प्रवचनों से उन्होंने असंख्य लोगों के जीवन का निर्माण किया, उन्हें यज्ञ संस्कृति से जोड़ा, आत्मोन्मुख किया तथा दुर्गुणों का परित्याग कर सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे स्वामी दीक्षानन्द जी के प्रेरक प्रवचन सुनने के अनेक अवसर मिले-आर्य समाज, बी-2 ब्लॉक, जनकपुरी एवं अन्य आर्य समाजों में भी। किसी भी ख्यात व्यक्ति के समान स्वामी दीक्षानन्द जी के विषय में यह मिथ्या प्रवाद फैला रखा था कि वे स्वामी दीक्षानन्द नहीं, स्वामी दक्षिणानन्द हैं।' अपने अनुभव के आधार पर मैं यह कुछ सकता हूँ कि यह उनके विषय में मिथ्या और भ्रामक प्रचार था। जिन वर्षों में मैं आर्य समाज, बी-2 ब्लॉक, जनकपुरी का प्रधान था, मैंने कई बार उनसे यहाँ प्रवचन के लिए आग्रह किया और मुझे सदैव उनका आशीर्वाद मिला। मैंने लिफाफे में रखकर जो भी दक्षिणा उन्हें सादर भेंट की, उन्होंने सहर्ष स्वीकार की और कभी कोई ननु-नच नहीं की।

स्वामी दीक्षानन्द जी की अग्निहोत्र में ठहरी निष्ठा थी। वे यज्ञानुष्ठान को विधि-विधान और श्रद्धा के साथ करने के पक्षधर थे। वे यज्ञ की प्रक्रिया और याज्ञिक विश्लेषण में बहुत दक्ष थे। यज्ञाग्नि को बार-बार चिमटे से छेड़ने के वे विरोधी थे। उनका कहना था कि यज्ञाग्नि को सहज-स्वाभाविक रूप में प्रज्वलित होने दीजिए और जब तक बहुत विवशता न हो, उसके साथ छेड़छाड़ न कीजिए।

स्वामी दीक्षानन्द जी अग्नि के समान तेजस्वी और सर्वत्यागी प्रवृत्ति के संन्यासी थे। भारत के महामहिम राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने उन्हें 'योग शिरोमणि' की उपाधि से विभूषित किया था। स्वामी जी हैदराबाद मुक्ति सत्याग्रह, 1939 के सेनानी थे। वे बन्दी बनाए गए और छ: महीने तक कारावास में रहे। सन् 1957 ई में चण्डीगढ़ के हिन्दी सत्याग्रह के वे सक्रिय सहभागी थे तथा सन् 1967 में दिल्ली में हुए गौ-रक्षा आन्दोलन में उन्होंने एक जत्थेकता नेतृत्व किया था। 'कुर्वन्नेवेहकर्माणि' का आदर्श यावज्जीवन उनके सामने रहा। दिल्ली में पंचभौतिक शरीर का दिनांक 15 मई, 2003 को परित्याग कर वे सद्गति को प्राप्त हुए।

उनकी पावन स्मृति में, उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके परम श्रद्धालु भक्त श्री दर्शन कुमार जी अग्निहोत्री वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, नालापाणी, देहरादून में स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस का आयोजन कर अनेक विद्वानों को सम्मानित करते हैं। स्वामी दीक्षानन्द जी के 11वें स्मृति-दिवस के अवसर पर वे मुझे अकिंचन को भी 11.5.2014 को 'वेदश्री सम्मान' से अलंकृत कर चुके हैं। उनके इस प्रयास की जितनी सराहना की जाए, कम है।

वैदिक सिद्धांतों के निष्ठावान प्रचारक, आर्य समाज के अनन्य सेवक, मौलिक चिन्तन से युक्त दर्जनों ग्रंथों के प्रणेता, अनेक आन्दोलनों के सक्रिय सहभागी, मूर्द्धन्य संन्यासीश्री स्वामी दीक्षानन्द जी अपने पार्थिव शरीर से आज हमारे बीच नहीं है पर वे अपने कर्त्तव्य के बल पर यावच्चन्द्र दिवाकरौ जीवित रहेंगे।

जयन्ति से सुकृतिनो रससिद्धा: कवीश्वरा:।
नास्ति येषां यश: काये जरामरणजं भय:॥

- बी-3/79, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058, मो. 09718479970

स्वदेशी फार्मेसी के निदेशक डा.आर.के.आर्य का अभिनन्दन करते अनिल आर्य,प्रवीन आर्य व सुरेश आर्य आदि।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. डा.दयानन्द आर्य, एडवोकेट (पूर्व प्रधान, आर्य समाज, सागरपुर,दिल्ली) का निधन।
2. श्री अरण्य मुनि जी का निधन।
3. श्रीमती चन्द्रकांता खन्ना (प्रशांत विहार) का निधन।
4. श्री राजकुमार वधवा, सोनीपत का निधन।
5. श्री पूनम चन्द शास्त्री, आबू पर्वत का निधन।

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

हर राहे गुजर पर शमां जलाना है मेरा काम, हवा का रूख क्या है मैं देखता नहीं...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का युवा निर्माण

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी के निर्माण का अभियान

बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर

शनिवार 8 जून से रविवार 16 जून 2019 तक

स्थान : ऐमिटी कैम्पस, सेक्टर-44, नोएडा

सम्पर्क: प्रवीन आर्य-9911404423, अरुण आर्य-9818530543

2. दिल्ली आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

रविवार 19 मई से रविवार 26 मई 2019 तक

स्थान: गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार-2, दिल्ली

उर्मिला आर्या-9711161843, राजरानी अग्रवाल-9810304300

3. आगरा आर्य कन्या शिविर

सोमवार 3 जून से रविवार 9 जून 2019 तक

स्थान: कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, महुआ खेड़ा, आगरा

श्री रमाकान्त सारस्वत-9719003853

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

शुक्रवार 14 जून से वीरवार 20 जून 2019 तक

संस्कार भवन, जी.एल. सैनी कॉलेज, केसर नगर चौराहा, रामपुरा रोड जयपुर

सम्पर्क: यशपाल यश, प्रान्तीय अध्यक्ष-9414360248

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

बुधवार 19 जून से रविवार 23 जून 2019 तक

स्थान: आर्य समाज, सेक्टर-6, करनाल

स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360, अजय आर्य-9416128075, रोशन आर्य-9812020862

6. पलवल युवक निर्माण शिविर

सोमवार 3 जून से रविवार 9 जून 2019 तक

स्थान: आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल, हरियाणा

सम्पर्क: स्वामी श्रद्धानन्द जी-9416267482

7. कैथल युवक निर्माण शिविर

बुधवार 5 जून से बुधवार 12 जून 2019 तक

स्थान: आर्य विद्यापीठ स्कूल, पबनावा, जिला कैथल

सम्पर्क: आचार्य राजेश्वर मुनि-9896960064, कमल आर्य 9068058200

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

शुक्रवार 3 मई से रविवार 5 मई 2019 तक

स्थान: गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली-110082

सम्पर्क: सौरभ गुप्ता-9971467978, सूर्यदेव आर्य-9416715537

9. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

सोमवार 20 मई से रविवार 26 मई 2019 तक

स्थान: कलोता विद्यापीठ, जलोदा, पंथ, देवालपुर, इन्दौर

सम्पर्क: आ. भानुप्रताप वेदालंकार-09977967777

10. उत्तराखण्ड योग-आयुर्वेद-प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

मंगलवार 4 जून से रविवार 9 जून 2019 तक

स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल

सम्पर्क: ब्र. विश्वपाल जयन्त-09837162511, संजय रावत-9084724491

11. जम्मू-कश्मीर युवक निर्माण शिविर

सोमवार 17 जून से मंगलवार 25 जून 2019 तक

स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू

श्री सुभाष बब्बर-09419301915, रमेश खजुरिया-9797384053

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर

शुक्रवार 10 मई से वीरवार 16 मई 2019 तक

स्थान: वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा

सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा-9438441227

13. जयपुर में आर्य कन्या शिविर

शुक्रवार, 10 मई से वीरवार 16 मई 2019 तक

श्री विनायक एजुकेशन कैम्पस, नायला, कानोता, जयपुर

सम्पर्क : श्री प्रमोद पाल-9828014018

14. उत्तराखण्ड युवक निर्माण शिविर

शनिवार, 18 मई से शनिवार 25 मई 2019 तक

स्थान: सैनिक हाई स्कूल, बागेश्वर, उत्तराखण्ड

संरक्षक: गोविन्दसिहं भण्डारी व सुश्री लक्ष्मी टाकुली संयोजक-09412930200

15. यमुना नगर युवा प्रेरणा सम्मेलन

शुक्रवार 28 जून से रविवार 30 जून 2019 तक

स्थान: सत्यार्थ भवन, रादौर, जिला यमुना नगर, हरियाणा

संयोजक: सौरभ आर्य -9813739000

16. फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर

रविवार 2 जून से रविवार 9 जून 2019 तक

स्थान: सैनी सीनियर सै. स्कूल, भारत कालोनी, फरीदाबाद

संयोजक: जितेन्द्र सिंह आर्य -9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य-9350615369

17. मध्य दिल्ली युवा निर्माण शिविर

मंगलवार 14 मई से बुधवार 22 मई 2019 तक

स्थान: हीरालाल जैन सी.सै.स्कूल, सदर बजार, दिल्ली-6

संयोजक: गोपाल जैन -9810756571, आदर्श आहुजा-9811440502

18. 16वां स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस

रविवार 19 मई 2019 प्रातः 9:30 से 1:30 तक

स्थान: वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, नालापानी, देहरादून

संयोजक: दर्शन अग्निहोत्री-9810033799, प्रेमप्रकाश शर्मा-9412051586

अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	यशोवीर आर्य	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9868051444	7703922101	9868064422	9312223472	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, फोन-7550568450, 9958889970

Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

गुरूकुल खेड़ाखुर्द में शिक्षक शिविर व आर्य समाज,सरस्वती विहार का उत्सव सम्पन्न

रविवार, 5 मई 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर दिनांक 3 मई से 5 मई 2019 तक गुरूकुल खेड़ा खुर्द,दिल्ली में सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में गुरूकुल के प्रधान श्री ब्रह्मप्रकाश मान का अभिनन्दन करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य, गुरूकुल के मंत्री मनोज मान, सुनील मान, देव राणा, विवेक राणा, प्रवीन आर्या व रामकुमार सिंह आर्य। श्री सूर्यदेव व्यायामाचार्य के नेतृत्व में संयोजक सौरभ गुप्ता ने कुशल संचालन किया। आचार्य महेन्द्र भाई, आचार्य सुधांशु, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री ने अपने विचार रखे। परिषद् के कोषाध्यक्ष धर्मपाल आर्य, अरूण आर्य, विजय राणा, वेदप्रकाश आर्य आदि भी उपस्थित रहे। द्वितीय चित्र–आर्य समाज, सरस्वती विहार, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री के प्रवचन हुए। चित्र में–श्री सुमित चौधरी का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, प्रधान ओमप्रकाश मनचन्दा व मंत्री अरूण आर्य।

हीरालाल जैन स्कुल सदर बाजार,दिल्ली में आर्य युवा शिविर का शुभारम्भ

मंगलवार, 14 मई 2019, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में हीरालाल जैन स्कुल सदर बाजार, दिल्ली में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर का शुभारम्भ हुआ। चित्र में–प्रधानाचार्य डा. निर्मल कुमार जैन का स्वागत करते अनिल आर्य,सुशील बाली, महेन्द्र भाई, संयोजक गोपाल जैन, प्रदीप गुप्ता,प्रवीन आर्या, अरूण आर्य आदि व सामने आर्य युवक। समापन समारोह बुधवार 22 मई को प्रातः 8 से 10 बजे तक होगा ।

फैडरेशन आफ वजीरपुर की डायरेक्टरी व आर्य समाज वजीरपुर जे.जे.कालोनी

फैडरेशन आफ वजीरपुर दिल्ली की डायरेक्टरी का विमोचन केन्द्रीय मंत्री डा.हर्षवर्धन ने अग्रवाल धर्मशाला,अशोक विहार,दिल्ली में किया,इस अवसर पर सम्बोधित करते परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य,प्रधान श्री बृजमोहन गर्ग ने अध्यक्षता की व महामंत्री समीर सहगल ने संयोजन किया। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,वजीरपुर जे.जे.कालोनी,दिल्ली में शिविर तैयारी हेतु श्री सन्तोष शास्त्री,वीरेश आर्य व राघेश्याम आर्य से भेंट की ।

गाजियाबाद में व अशोक विहार,दिल्ली में शिविर तैयारी बैठक सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 5 मई 2019,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला गाजियाबाद की बैठक डा.आर.के.आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रान्तीय महामंत्री प्रवीन आर्य ने संचालन किया व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने विभिन्न शिविरों की भूमिका पर प्रकाश डाला । जिला मंत्री सुरेश आर्य ने आभार व्यक्त किया। द्वितीय चित्र–बुधवार, 10 मई 2019 को आर्य समाज, अशोक विहार,फेज–1, दिल्ली में श्री प्रेमकुमार सचदेवा की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई । मंत्री जीवनलाल आर्य,ओम सपरा,अनिल आर्य,महेन्द्र भाई, देवेन्द्र भगत, गोपाल आर्य, प्रि. राजरानी अग्रवाल, कमल मोंगा, अनिता कुमार, उषा आहुजा, सोनल सहगल, आर्य तपस्वी सुखदेव जी आदि ने अपने विचार रखे। उर्मिला आर्या ने कुशल संचालन किया।

मैसूरी के विधायक जोशी जी से भेंट व मयुर विहार,फेज–1 का उत्सव सम्पन्न

मैसूरी से भाजपा विधायक गणेश जोशी से भेंट हुई,साथ में आर्य नेत्री इन्दुबाला सिंह,प्रवीन आर्या,आचार्य गवेन्द्र शास्त्री,महेन्द्र भाई आदि। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,मयूर विहार,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ,इस अवसर पर राजेश सपरा,विवेक अग्निहोत्री,अभिषेक द्विवेदी,प्रवीन आर्या,प्रेमलता भटनागर व रामगोपाल भटनागर के साथ।

एक ऐसा समाचार पत्र जो कभी रूका नहीं
युवा उद्घोष के 35 वर्ष पूर्ण और 36 वें वर्ष में प्रवेश

हार्दिक आभार

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970